

# पंछी दाना चुग गया

अपने मेरी पिछली कहानी मामा के साथ वो पल कुछ समय पहले पढ़ी। अब मेरे जीवन की एक नई घटना पढ़िए। आज उसने हिम्मत करके मुझे कॉपी रूम में पकड़ ही लिया ... कब से दाना डाल रही थी मैं ... पूरे तीन महीने की मेहनत आज रंग लाई ...

कॉलेज से ही चुदाई का [...] ...

Story By: (roy\_sharika)

Posted: Wednesday, June 16th, 2010

Categories: ऑफिस सेक्स

Online version: पंछी दाना चुग गया

## पंछी दाना चुग गया

आपने मेरी पिछली कहानी मामा के साथ वो पल कुछ समय पहले पढ़ी। अब मेरे जीवन की एक नई घटना पढ़िए।

आज उसने हिम्मत करके मुझे कॉपी रूम में पकड़ ही लिया ... कब से दाना डाल रही थी मैं ... पूरे तीन महीने की मेहनत आज रंग लाई ...

कॉलेज से ही चुदाई का चस्का था मुझे। मामाजी के साथ जब से शुरुआत की तबसे लेकर आज तक पता नहीं कितनों के नीचे लेटी हूँ ... चुदाई में जो मज़ा है वो और किसी चीज़ में नहीं।

मैंने चार महीने पहले ही एक नई कंपनी ज्वाइन की। मार्केटिंग में होने की वजह से सभी लोगों से काफी बातें होती थी। एक महीना तो काम समझने में निकल गया, तब ध्यान आया कि एक महीने से चुदी नहीं हूँ .. मेरी चूत एक मोटा सा लौड़ा मांग रही थी। पर नए शहर में मैं जानती कहाँ थी किसी को ...

तब ध्यान आया, ऑफिस में किसी को ढूँढा जाए। फिर क्या ऑफिस में सबको नोटिस करना शुरू किया। मैं यूँ भी काफी तंग कपड़े पहनती थी। धीरे धीरे पैंट्स की जगह स्कर्ट्स ने ले ली।

मेरे ही डिपार्टमेंट में काम करता था वो। मुझसे दो साल सीनियर था, मैं भारत से बाहर की मार्केटिंग सम्भाल रही थी और वो घरेलू बाज़ार का मुखिया था। हमारे केबिन आमने सामने थे और लॉबी के अन्त में एक कॉपीरूम था। वैसे तो कॉपी निकालने का काम हमारे किनष्ठ करते थे पर जबसे उसकी आँखों को अपने चूचों पर गड़े देखा, तबसे मैंने ही कॉपी लेना शुरू कर दिया। देर तक काम करना हम दोनों की आदत थी। अब कुछ ज्यादा ही देर तक बैठने



लगी थी मैं। लेट होने पर अक्सर वो ही ऑफिस बंद करता था, इसलिए जब तक मैं ना जाऊँ, उसका ऑफिस में बैठना मजबूरी थी, जो वो बहुत एन्जॉय करता था।

उस दिन सबके जाने के बाद मैं अपने केबिन में काम कर रही थी, तभी उसकी कॉल आई-काफी पियोगी ?

'आप जो भी पिलाएँगे, पी लूँगी !'

मैंने शरारत से जवाब दिया।

थोड़ी देर में वो दो कप काफी लेकर मेरे केबिन में आया। मैं एक कॉल पर थी, उसे बैठने का इशारा करके मैं मेज़ की तरफ ऐसे झुकी कि उसे मेरी चूत के पूरे दर्शन हो जाएँ। छोटी सी स्कर्ट और जी स्ट्रिंग से मेरी चूत कहाँ छुपने वाली थी। थोड़ी देर गाण्ड मटका मटका के फोन पर बात की फिर जब उसकी तरफ मुड़ी तो अनजान बन कर अपना स्कर्ट ठीक करते हुए कहा- ओह सॉरी, ध्यान ही नहीं रहा कि मैं अकेली नहीं हूँ, होप यू डिड्न्ट माइंड!

'आप चाहें तो और काल्स कर लें, आई डोंट माइंड !' उसने शरारत से मुझे काफी देते हुए कहा।

तभी मेरा ध्यान उसकी पैंट में बने टेंट पर गया, मैंने कहा- आपको देखता लगता तो नहीं?

और आँख मारी।

वो झेंप सा गया।

तभी उसे एक कॉल आई और वो चला गया।

उसके बाद तो हम अक्सर सबके जाने के बाद काफी पीते, एक दूसरे को छेड़ते। धीरे धीरे



टेबल और चेयर की जगह सोफे पर बैठने लगे। उसके बातों पर हँसते हुए मैं जानबूझ कर अपना हाथ उसकी जांघ पर रखती थी। बातों बातों में सहलाते हुए धीरे से उसके लौड़े को महसूस करती फिर झटके से सॉरी कह कर अपना हाथ हटा लेती।

वो सब समझ रहा था पर मेरे इस बर्ताव से परेशान था। मैं रोज़ उसे उत्तेजित करती फिर काफी के लिए शुक्रिया कह कर अपने काम में लग जाती।

उस दिन हम दोनों मिल कर एक रिपोर्ट पर काम कर रहे थे। ऐ सी ख़राब होने की वजह से काफी गर्मी थी। उसने अपना कोट उतार कर कुर्सी पर रख दिया और टाई निकाल कर अपनी शर्ट के ऊपर के दो-तीन बटन खोल कर काम में लग गया। मैंने देख कर अनदेखा कर दिया। पर उसका चौड़ा सीना मुझे उत्तेजित कर रहा था।

तभी चौकीदार ने आकर कहा- साहिब, मैं जा रहा हूँ, ऐ सी थोड़ी देर में ठीक हो जाएगा। 'ठीक है जाओ, और उन्हें जल्दी करने को कहो।'

बस उसके जाते ही मैंने अपना कोट भी उतार दिया, उसके नीचे मैं एक टंक टॉप ही पहना था, जो मेरे 38 इन्च के चूचों को संभाल नहीं पा रहा था। फिर बिना उसकी तरफ देखे मैंने धीरे से अपने बालों को बांधने की कोशिश करनी शुरू की, मैं बार बार उन्हें संभालती।

इसे देख कर उसने कहा- खुले रहने दो, काफी सेक्सी हैं।

मैंने मुस्कुरा कर अपना काम शुरू कर दिया।

थोड़ी देर में मैंने कहा- यहाँ काफी गर्मी है, हम मेरे केबिन में चलते हैं, कम से कम वहाँ की खड़की से कुछ हवा आएगी।

उसने सारे पेपर्स लिए और मेरे केबिन की तरफ चल दिया। वो दरवाज़े पर मेरा इंतज़ार कर



रहा था, मैंने झुक कर धीरे से अपनी लेग्गिंग्स निकालनी शुरू की- काफी गर्मी लग रही है, बस पाँच मिनट में आती हूँ।

वो मेरे केबिन की तरफ चला गया। वहाँ जाकर भी काम करने की जगह वो मुझे देख रहा था। मैंने उसकी तरफ खड़े होकर ही अपनी बेल्ट उतारी और अपने टॉप को ठीक करने लगी।

जब मैं आई तो पेपर्स की तरफ देखने लगा। मैं कुर्सी पर ना बैठ कर सोफे पर बैठी, उसे कहा- यहाँ बैठते हैं, खिड़की यहीं हैं।

हमने जल्दी जल्दी सारे पेपर्स पूरे किये। इस बीच में वो पेपर उठाने के बहाने मेरे चूचो को छू रहा था, जिसे मैं अनदेखा कर रही थी। एक रिपोर्ट में कुछ पूछने के बहाने मैं उससे सट कर बैठ गई, अपना हाथ उसकी जांघ पर रख कर सवाल कर रही थी, उसने अपने आपको इस तरह मेरी तरफ झुकाया की मेरा हाथ ठीक उसके लौड़े पर था और मेरी चूची उसकी छाती छू रही थी। मैंने अनजान बनते हुए धीरे से अपना हाथ हटाया और उठते हुए कहा-मैं इन पेपर्स की कॉपी बना लेती हूँ।

और मैं कॉपी रूम की तरफ चल दी।

बाहर जाते हुए जब पलट के देखा तो वो मुझे एकटक देखते हुए अपने लौड़े को सहला रहा था, मैं हंस कर चली गई।

कॉपी लेने के बाद मुझे एक शरारत सूझी, मैं हमेशा से कॉपी रूम में चुदना चाहती थी अब इससे अच्छा मौका और कहाँ मिलता। मैंने उसे पुकार कर कहा- ज़रा मेरी मदद कर दो।जब वो आया तो उसकी शर्ट बाहर थी और बेल्ट खुली हुई...

मैंने उसके लौड़े को देखते हुए पूछा- सब ठीक तो है ना ??



वो मुस्कुरा दिया। मैं कोपिएर की तरफ मुड़ कर हंसने लगी, वो धीरे से मेरे पीछे, आ खड़ा हुआ। धीरे से मेरे करीब आ गया, उसका खड़ा लौड़ा मेरी गाण्ड में गड़ रहा था। मैंने भी अपनी गाण्ड उसके लौड़े पर दबा दी। उसने मुझे कमर से पकड़ कर अपने पास खींच लिया और अपना लौड़ा मेरी गाण्ड पर रगड़ने लगा। उसके हाथ मेरे टॉप को खींच कर नीचे करने लगे, अब मेरे चूचे उसके हाथ में थे। वो उन्हें जोर जोर से दबा रहा था।

मैंने पलट के उसे चूमना शुरू किया, वो पागलों की तरह मेरे होंठों को चूस रहा था, उसकी ज़बान मेरी ज़बान से खेल रही थी। उसके विशालकाय शरीर ने मुझे दबोच रखा था, जिसमें मुझे बहुत मज़ा आ रहा था।

धीरे से मेरे होंठ को छोड़ के वो मेरे चूचों की तरफ बढ़ा, उसने एक भूखे बच्चे की तरह मेरे चूचों को चूसना शुरू किया। वो उन्हें चूसता दबाता, निप्प्ल को काटता...

हाय इतना मज़ा आ रहा था कि क्या बताऊँ ... मैंने उसका सर अपने चूचों में दबा दिया ... उसने मुझे ऐसे ही उठा कर मेज पर लेटा दिया और पूरे जोर से अपना लौड़ा मेरी चूत पर रगड़ते हुए मेरे चूचे चूसने लगा। उसका एक हाथ मेरी स्कर्ट खोलने में लगा था और मैं धीरे से उसकी जिप खोल कर उसके लौड़े को निकाल रही थी ...

हाय राम !!! उसका लौड़ा तो घोड़े के जितना बड़ा था ... अपनी चूत की हालत सोच कर एक मिनट के लिए मैं डर गई .. पर मोटे लौड़े का मज़ा लेने की सोच कर मेरी चूत और गीली हो गई। उसकी उंगली अब मेरे दाने को सहला रही थी और मैं उसके बड़े से लौड़े को हिला रही थी..

उसने इतनी जोर से मेरी पेंटी को खींचा कि वो फट गई पर सब कुछ भूल के वो बस मेरी चूत सहलाने में लगा था ... मैं तो मज़े से मरी ही जा रही थी ... झड़ने ही वाली थी कि उसे दूर धकेला ... झट से नीचे उतर कर उसके लौड़े को अपने मुँह में ले लिया .. वो इतना



बड़ा था कि मेरे मुँह में पूरा आ ही नहीं रहा था।

मैं उसे जोर जोर से चाटने लगी, खूब हिलाती, खूब चाटती .. हाय कितना मज़ा आ रहा था।

वो भी अपनी गाण्ड हिला हिला के मेरे मुँह को चोद रहा था। मैंने उसके अन्डों को मुँह में ले लिया, वो मज़े से चीख पड़ा ... और चाट, मेरे लौड़े को और चाट साली छिनाल!

उसके मुँह से ये सब सुनके मुझे और मज़ा आ रहा था। उसके लौड़े की नसें कसने लगी तो मैं समझ गई कि वो झड़ने वाला है, मैंने पूछा- कहाँ झड़ना है?

उसने मेरे बाल पकड़ कर अपना लौड़ा मेरे मुँह में डाल कर हिलाना शुरू किया... थोड़े झटकों के बाद ही इतना सारा माल निकला कि मैं पी भी नहीं पाई .. सब मेरे चेहरे और चूचों पर गिर गया ...

झड़ने के बाद भी उसकी भूख नहीं मिटी थी, उसने मुझे फ़िर से मेज पर लेटाया और मेरी चूत अपने मुँह में ले ली। मेरी मुनिया वैसे ही पानी पानी थी, अब तो मैं पागल हुई जा रही थी। उसे अच्छी तरह आता था कि एक औरत की भूख कैसे मिटाते हैं।

मैं चीखती जा रही थी, वो अनसुना करके मुझे चाटता रहा काटता रहा .. मैं पूरे जोर से उसके मुँह में झड़ गई, वो सब चाट गया।

फिर उसने अपना लौड़ा मेरी चूत के मुंह पर रख कर रगड़ना शुरू किया। मैं फिर से गीली होने लगी। मैं तैयार होती इसके पहले ही उसने पूरे जोर से अपना लौड़ा मेरी चूत में दे मारा दिर्द से मेरे आँसू निकल गए। पर उस पर तो जैसे पागलपन सवार था, कुछ सुन ही नहीं रहा था, बस चोदे जा रहा था। उसका एक एक झटका मेरी जान ले रहा था..



थोड़ी देर बाद मेरी चूत ने उसके लिए जगह बना ली, फिर क्या हम दोनों पूरी रफ़्तार से चुदाई का मज़ा ले रहे थे। उसने मुझे गोद में उठा लिया जिससे उसका लौड़ा मेरी चूत के अन्दर तक मारने लगा।

'मेरी चूत का भोसड़ा बना दे, चोद और चोद मुझे !'

'आज तो नहीं बचेगी तू, इतने दिन सताया है, सारा हिसाब चुकता करूँगा मैं तेरी चूत से। ले छिनाल ले, ले मेरे लौड़े को अपनी चूत में ले!'

मैं उचक उचक कर चुद रही थी।

'मैं तेरी चूत में झड़ जाऊँगा !'

भर दे मेरी चूत को अपने पानी से, बहुत प्यासी है यह !

और फिर थोड़ी देर में हम दोनों एक साथ झड़ गए .. हम दोनों के पानी से कॉपी रूम का कारपेट गीला हो गया।

पर अभी हम कहाँ रुकने वाले थे। उसने मुझे घोड़ी बना कर फिर चोदा .. उसके बाद जब हम केबिन में कपड़े ठीक करने गए तो सब कपड़े निकाल कर मेरे ही सोफे पर बैठ कर मुझसे अपने घोड़े की सैर करवाई ... रात भर हुई चुदाई के बाद हम दोनों को इसका चस्का लग गया।

अब तो हर देर रात हमारी दिवाली थी.. खूब चुदाई करते और खूब काम करते...

एक दिन तो उसने मुझे सबके रहते हुए ही कॉपी रूम में पकड़ लिया .. शुक्र है कि वहाँ कोई और आता नहीं। मेरी स्कर्ट ऊपर कर के सीधे उसने अपना लौड़ा मेरी चूत में मारना शुरू कर दिया...



मेरा मुँह अपने हाथ से दबा कर बंद कर दिया था ताकि मैं चीख ना सकूँ।

उसका इस तरह जबरदस्ती करना ही तो मुझे उकसाता है। 15 मिनट तक मेरी चूत को मारने के बाद मुझे एक लम्बा चुम्मा देकर वो चला गया। मैं भी अपने कपड़े ठीक करके काम पर वापस आ गई...

हमारी चुदाई के और किस्से भी सुनाऊँगी...यह कैसा लगा, ज़रूर लिखें... 2515



## Other stories you may be interested in

### चूत चुदाई की ललक में डॉक्टर का लंड पकड़ लिया

मैं गुजरात में रहने वाला एक फिजियोथेरेपिस्ट हूँ। मेरी उम्र 36 साल है.. दिखने मैं सामान्य रंग वाला 6 फीट हाइट का हूँ। एक सामान्य आदमी के जैसा ही मेरा लम्बा और मोटा लंड है। मुझे अन्तर्वासना हिन्दी सेक्स स्टोरी [...]

Full Story >>>

## लागी लंड की लगन, मैं चुदी सभी के संग- 50

बॉस जीवन के कहने के बाद मैं तैयार हुई और हम दोनों ने एक रेस्टोरेन्ट में लंच किया, फिर ऑफिस गये, वहां पहुंच कर जीवन ने ड्राइवर से गाड़ी की चाबी ली और उसे छुट्टी दे दी। ऑफिस में दोनों [...]
Full Story >>>

## लागी लंड की लगन, मैं चुदी सभी के संग- 49

हम दोनों नीचे होटल से बाहर आ गये, जीवन ने ड्राइवर से किसी जगह का नाम बताते हुए वहाँ चलने को कहा। करीब आधे घंटे के सफर के बाद हम लोग जीवन के बताये हुए स्थान पर पहुंचे। वहाँ पर [...] Full Story >>>

## बेशर्म चालू लेडी डॉक्टर की चूत की ठरक

हैलो फ्रेंड्स.. मेरा नाम राहुल है। मैं 28 सोल का हूँ। मैंने यहाँ बहुत सी हिन्दी सेक्स स्टोरी पढ़ी हैं। मैंने सोचा कि मुझे भी अपना अनुभव लिखना चाहिए। मैं यहाँ पहली बार लिख रहा हूँ। पहले मैं आप सभी [...] Full Story >>>

## लागी लंड की लगन, मैं चुदी सभी के संग- 48

जब वेटर रूकता तो पापाजी मेरी गांड को ठोकते और जब पापा जी रूकते तो वेटर मेरी चूत की बैंड बजाता, फिर दोनों ने अपना वीर्य मेरे पेट पर गिरा दिया। वेटर के जाने के बाद मैंने पापाजी को मालिश [...] Full Story >>>





#### Other sites in IPE

#### **Indian Porn Live**



Go and have a live video chat with the hottest Indian girls.

#### **Velamma**



Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven! Visit the website and check the first 3 episodes for free.

#### **Kinara Lane**



A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

#### **FSI Blog**



Every day FSIBlog.com brings you the hottest freshly leaked MMS videos from India.

#### **Sex Chat Stories**



Daily updated audio sex stories.

#### **Suck Sex**



Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!